3. हिंदी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य विधाएं एवं मालवी,बघेली,बुन्देली भाषा साहित्य - VIKAS PUBLICATION HOUSE PVT.LTD,E-28,SECTOR-8NOIDA-201301(U.P.)पृष्ठ -336
4. हिंदी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य विधाएं एवं मालवी,बघेली,बुन्देली भाषा साहित्य - VIKAS PUBLICATION HOUSE PVT.LTD,E-28,SECTOR-8NOIDA-201301(U.P.)पृष्ठ -336
5. हिंदी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य विधाएं एवं मालवी,बघेली,बुन्देली भाषा साहित्य - VIKAS PUBLICATION HOUSE PVT.LTD,E-28,SECTOR-8NOIDA-201301(U.P.)पृष्ठ -343
6. हिंदी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य विधाएं एवं मालवी,बघेली,बुन्देली भाषा साहित्य - VIKAS PUBLICATION HOUSE PVT.LTD,E-28,SECTOR-8NOIDA-201301(U.P.)पृष्ठ -378
7. बघेली बिरवाही, सं. डॉ. सूर्यनारायण गौतम,जी. एच. पब्लिकेशन प्रयागराज (उ.प्र.)पृष्ठ -58
8.हिंदी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य विधाएं एवं मालवी,बघेली,बुन्देली भाषा साहित्य -शिव शंकर मिश्र सरस,VIKAS PUBLICATION HOUSE PVT.LTD,E-28,SECTOR-8NOIDA-201301(U.P.)पृष्ठ -374
9. अजुरी.भर अँजोर-डॉ श्रीनिवास शुक्ल सरस, पृ.14
10.हिंदी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य विधाएं एवं मालवी,बघेली,बुन्देली भाषा साहित्य - VIKAS PUBLICATION HOUSE PVT.LTD,E-28,SECTOR-8NOIDA-201301(U.P.)पृष्ठ -373
11. हिंदी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य विधाएं एवं मालवी,बघेली,बुन्देली भाषा साहित्य -शिव शंकर मिश्र सरस,VIKAS PUBLICATION HOUSE PVT.LTD,E-28,SECTOR-8NOIDA-201301(U.P.)पृष्ठ -374
12..हिंदी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य विधाएं एवं मालवी,बघेली,बुन्देली भाषा साहित्य - VIKAS PUBLICATION HOUSE PVT.LTD,E-28,SECTOR-8NOIDA-201301(U.P.)पृष्ठ -373
13. अजुरी.भर अँजोर-डॉ श्रीनिवास शुक्ल सरस, पृ.22
14. 12..हिंदी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य विधाएं एवं मालवी,बघेली,बुन्देली भाषा साहित्य - VIKAS PUBLICATION HOUSE PVT.LTD,E-28,SECTOR-8NOIDA-201301(U.P.)पृष्ठ -374
15.हिंदी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य विधाएं एवं मालवी,बघेली,बुन्देली भाषा साहित्य -शिव शंकर मिश्र सरस,VIKAS PUBLICATION HOUSE PVT.LTD,E-28,SECTOR-8NOIDA-201301(U.P.)पृष्ठ -374
16 हिंदी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य विधाएं एवं मालवी,बघेली,बुन्देली भाषा साहित्य - VIKAS PUBLICATION HOUSE PVT.LTD,E-28,SECTOR-8NOIDA-201301(U.P.)पृष्ठ -374
17.अँजुरी भर अँजोर-श्रीनिवास शुक्ल सरस-सिद्धांत पब्लिकेशन वर्ष-2003,पृष्ठ-12
18.सीधी ज़िले का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास- श्रीनिवास शुक्ल सरस- सिद्धांत पब्लिकेशन उत्तरी करौंदिया सीधी सन्-1994 पृष्ट -42
19.देश केंहीं देहि मा- श्रीनिवास शुक्ल सरस-युगधारा फ़ाउंडेशन लखनऊ उत्तरप्रदेश वर्ष-2003 पृष्ठ-11
20. अजुरी.भर अँजोर-डॉ श्रीनिवास शुक्ल सरस, पृ.75)
21.अंजुरी भर अँजोर : श्रीनिवास शुक्ल सरस – पृष्ठ- 45
22.अंजुरी भर अँजोर : श्रीनिवास शुक्ल सरस – पृष्ठ- 96
23.अंजुरी भर अँजोर : श्रीनिवास शुक्ल सरस – पृष्ठ- 23
24.अंजुरी भर अँजोर : श्रीनिवास शुक्ल सरस – पृष्ठ- 23
25.अमरउत्ती : श्रीनिवास शुक्ल सरस – पृ. 4
26.अंजुरी भर अँजोर : श्रीनिवास शुक्ल सरस – पृष्ठ- 04
27.रसखीरः श्रीनिवास शुक्ल सरस – पृष्ठ- 42
28.सीधी ज़िले का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास- श्रीनिवास शुक्ल सरस- सिद्धांत पब्लिकेशन उत्तरी करौंदिया सीधी सन्-1994 पृष्ट -18
29.सीधी ज़िले का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास- श्रीनिवास शुक्ल सरस- सिद्धांत पब्लिकेशन उत्तरी करौंदिया सीधी सन्-1994 पृष्ट -18
३०.सीधी ज़िले का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास- श्रीनिवास शुक्ल सरस- सिद्धांत पब्लिकेशन उत्तरी करौंदिया सीधी सन्-1994पृष्ट-18
31.सीधी ज़िले का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास- श्रीनिवास शुक्ल सरस- सिद्धांत पब्लिकेशन उत्तरी करौंदिया सीधी सन्-1994 पृष्ट -19
32.सीधी ज़िले का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास- श्रीनिवास शुक्ल सरस- सिद्धांत पब्लिकेशन उत्तरी करौंदिया सीधी सन्-1994 पृष्ट -19
33.सीधी ज़िले का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास- श्रीनिवास शुक्ल सरस- सिद्धांत पब्लिकेशन उत्तरी करौंदिया सीधी सन्-1994 पृष्ट -19-20
34.सीधी ज़िले का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास- श्रीनिवास शुक्ल सरस- सिद्धांत पब्लिकेशन उत्तरी करौंदिया सीधी सन्-1994 पृष्ट -19-20
35.सीधी ज़िले का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास- श्रीनिवास शुक्ल सरस- सिद्धांत पब्लिकेशन उत्तरी करौंदिया सीधी सन्-1994 पृष्ट -20-21

ग्रामीण भारतीय विद्यार्थी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

श्रीमती मोनिका शर्मा
सहायक प्राध्यापक -शिक्षा
सिंगरौली इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी ,सिंगरौली (म.प्र.)

सारांश:-
राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020, भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है जो भारतीय शिक्षा प्रणाली के समग्र सुधार की दिशा में तैयार की गई है। इसके अंतर्गत, ग्रामीण भारतीय विद्यार्थियों के लिए कई प्रमुख नीतिगत पहल की गई हैं: शिक्षा तक पहुंच: NEP 2020 ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की पहुंच बढ़ाने के लिए विशेष प्रयासों पर जोर देती है। इसके अंतर्गत, स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों के नेटवर्क को मजबूत करने, और बच्चों के लिए परिवहन और स्कूल सामग्री की सुविधा प्रदान करने पर ध्यान दिया गया है। स्थानीय भाषा और संस्कृति का संरक्षण: NEP 2020 में स्थानीय भाषाओं और संस्कृतियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय भाषाओं में शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे कि बच्चों को अपनी मातृभाषा में शिक्षा मिल सके और सांस्कृतिक मूल्य संरक्षित रह सकें। डिजिटल शिक्षा का विस्तार: डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल सामग्री का विकास किया जाएगा। हालांकि, यह चुनौतीपूर्ण हो सकता है, विशेषकर ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी को ध्यान में रखते हुए। स्वास्थ्य और पोषण: NEP 2020 के अंतर्गत, शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण के मुद्दों को भी प्राथमिकता दी गई है। 'मिड-डे मील' योजना के तहत बच्चों को पोषक आहार प्रदान करने पर जोर दिया जाएगा, जिससे उनकी समग्र वृद्धि और विकास सुनिश्चित हो सके।कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा: ग्रामीण इलाकों में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देने पर भी ध्यान दिया गया है। इससे विद्यार्थियों को रोजगार के अवसरों के लिए तैयार किया जाएगा और उनके कौशल को बढ़ाया जाएगा। शिक्षक प्रशिक्षण और क्षमता वृद्धि: शिक्षकों के प्रशिक्षण और क्षमता वृद्धि पर जोर दिया गया है, जिससे कि वे ग्रामीण इलाकों में भी उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान कर सकें। इन पहलों के माध्यम से, NEP 2020 का उद्देश्य ग्रामीण भारतीय विद्यार्थियों के लिए एक सशक्त, समावेशी, और गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना है।

बीज शब्द :- शिक्षा तक पहुंच - शिक्षा का सार्वभौम वितरण. स्थानीय भाषा, मातृभाषा, डिजिटल शिक्षा,कौशल विकास, शिक्षक प्रशिक्षण, संवेदनशीलता - समावेशिता, सामाजिक न्याय.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020: प्रस्तावना और परिभाषाएँ -

प्रस्तावना:- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020), भारत सरकार की शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ है। इसे जुलाई 2020 में जारी किया गया और यह भारतीय शिक्षा के क्षेत्र में एक नई दिशा और दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। NEP 2020 का उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को समग्र, समावेशी, और गुणवत्ता युक्त बनाना है। यह नीति शिक्षा के सभी स्तरों पर सुधार की दिशा में एक रोडमैप प्रदान करती है, जिसमें प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा तक सभी पहलुओं को शामिल किया गया है।

मुख्य उद्देश्य:- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का मुख्य उद्देश्य निम्नानुसार है :-

शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार: NEP 2020 का एक

प्रमुख लक्ष्य है सभी बच्चों और युवाओं को समान और गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करना, विशेषकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में।

स्थानीय भाषाओं और सांस्कृतिक संरक्षण: स्थानीय भाषाओं और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना और संरक्षित करना।

डिजिटल शिक्षा और तकनीकी सुधार: डिजिटल शिक्षा और तकनीकी उन्नति के माध्यम से शिक्षा को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाना।

स्वास्थ्य और पोषण: विद्यार्थियों की समग्र स्वास्थ्य और पोषण में सुधार करना।

कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा: व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर जोर देना ताकि छात्र रोजगार के अवसरों के लिए तैयार हो सकें।

शिक्षक प्रशिक्षण और क्षमता वृद्धि: शिक्षकों के प्रशिक्षण और विकास पर ध्यान देना ताकि वे उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान कर सकें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 और ग्रामीण भारतीय विद्यार्थी:

- ग्रामीण भारतीय विद्यार्थियों पर इसके प्रभाव को विस्तार से चर्चा करते हैं:

1. शिक्षा तक पहुंच और समान अवसर:-

NEP 2020 का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है शिक्षा की पहुंच को सभी वर्गों तक विस्तारित करना, विशेषकर ग्रामीण इलाकों में। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की पहुंच को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

स्कूलों की संख्या बढ़ाना: छोटे गांवों और आदिवासी क्षेत्रों में स्कूलों की संख्या बढ़ाना और मौजूदा स्कूलों की आधारभूत संरचना को सुधारना।

शिक्षा के लिए परिवहन: स्कूल जाने के लिए सुरक्षित और सुलभ परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करना, जिससे बच्चों को स्कूल पहुंचने में कोई बाधा न आए।

आंगनवाड़ी और बाल विकास: प्री-प्राइमरी शिक्षा के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों को सशक्त करना, ताकि छोटे बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा मिल सके।

2. स्थानीय भाषाओं और सांस्कृतिक संरक्षण

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय भाषाओं और सांस्कृतिक मूल्य का संरक्षण और सम्मान बढ़ाने के लिए **NEP 2020** में कई कदम उठाए गए हैं:

मातृभाषा में शिक्षा: शिक्षा को स्थानीय भाषाओं में प्रदान करने की योजना, ताकि बच्चों को अपनी मातृभाषा में शिक्षा मिल सके और वे अपनी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रख सकें।

सांस्कृतिक शिक्षा: स्थानीय सांस्कृतिक और पारंपरिक ज्ञान को पाठ्यक्रम में शामिल करने की व्यवस्था, जिससे बच्चों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर के प्रति जागरूक किया जा सके।

3. डिजिटल शिक्षा और तकनीकी सुधार

डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए **NEP 2020** कई महत्वपूर्ण पहल कर रही है:

ई-लर्निंग संसाधन: डिजिटल शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम और संसाधनों का विकास।

इंटरनेट कनेक्टिविटी: ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की योजना, ताकि डिजिटल शिक्षा के अवसर सभी के लिए उपलब्ध हों।

टेक्नोलॉजी का उपयोग: शिक्षा में टेक्नोलॉजी के उपयोग को बढ़ावा देना, जिससे शिक्षा को अधिक इंटरैक्टिव और आकर्षक बनाया जा सके।

4. स्वास्थ्य और पोषण:-

NEP 2020 के अंतर्गत, ग्रामीण विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और पोषण पर भी ध्यान दिया गया है:

मिड-डे मील योजना: स्कूलों में मिड-डे मील योजना के तहत पौष्टिक भोजन प्रदान किया जाएगा, जिससे बच्चों की शारीरिक और मानसिक विकास में मदद मिले।

स्वास्थ्य सेवाएं: स्कूलों में नियमित स्वास्थ्य जांच और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने की व्यवस्था, ताकि बच्चों की स्वास्थ्य समस्याओं को समय पर हल किया जा सके।

5. कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा:-

ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा पर **NEP 2020** का फोकस है:

व्यावसायिक शिक्षा: स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समावेश, जिससे छात्रों को रोजगार के लिए तैयार किया जा सके।

कौशल विकास केंद्र: ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल विकास केंद्र स्थापित करना, जहां छात्र व्यावसायिक कौशल सीख सकें और स्थानीय उद्योगों में रोजगार प्राप्त कर सकें।

6. शिक्षक प्रशिक्षण और क्षमता वृद्धि:-

शिक्षकों की गुणवत्ता और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना भी **NEP 2020** का एक महत्वपूर्ण पहलू है:

शिक्षक प्रशिक्षण: ग्रामीण इलाकों में शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन, ताकि वे उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान कर सकें।

प्रोफेशनल डेवलपमेंट: शिक्षकों की क्षमता वृद्धि के लिए निरंतर प्रोफेशनल डेवलपमेंट कार्यक्रम, जिससे वे शिक्षा के नए तरीकों और तकनीकों से अवगत हो सकें।

निष्कर्ष:-

NEP 2020 का प्रस्तावना और परिभाषाएँ भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक व्यापक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यह नीति शिक्षा को समावेशी, गुणवत्तायुक्त और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार करने का एक रोडमैप प्रस्तुत करती है, जो सभी विद्यार्थियों के लिए समान अवसर और बेहतर शिक्षा सुनिश्चित करती है।Top of Form **NEP 2020** ग्रामीण भारतीय विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में एक व्यापक सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत शिक्षा की पहुंच बढ़ाने, स्थानीय भाषाओं और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण, डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने, स्वास्थ्य और पोषण पर ध्यान देने, कौशल विकास को बढ़ावा देने, और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर जोर देने जैसे पहल किए गए हैं। ये सभी कदम ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और विद्यार्थियों को एक सशक्त और समावेशी शिक्षा प्रणाली प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं।

****

संदर्भ सूची:-

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: **प्रस्तावना और परिभाषाएँ**: सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध दस्तावेज़। NEP 2020 (Government of India)

शिक्षा तक पहुंच और ग्रामीण क्षेत्रों में सुधार: **विस्तृत रिपोर्ट और आंकड़े**: ग्रामीण शिक्षा की स्थिति पर सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों की रिपोर्टें। Report on Rural Education in India (World Bank)

डिजिटल शिक्षा और तकनीकी सुधार:डिजिटल शिक्षा और टेक्नोलॉजी के प्रभाव पर अध्ययन। Digital Education in Rural India (EduTech India)

इंटरनेट कनेक्टिविटी और चैलेंजेस: ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट और तकनीकी बाधाओं पर रिपोर्ट। Internet Connectivity Challenges (Telecom Regulatory Authority of India)

कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा: Skill Development Initiatives (Ministry of Skill Development and Entrepreneurship)